Title: Need to look into the problem faced by opium growers of Madhya Pradesh-Laid.

डॉ0 लक्ष्मीनारायण पांडेय (मंदसौर): महोदय, हाल ही में मध्य प्रदेश के अनेक जिलों मे, जिनमें रतलाम, मंदसौर व नीमच प्रमुख हैं, भारी ओलावृटि और शीतलहर के कारण गेहूं, चना आदि फसलों को भारी नुकसान हुआ है, वहीं अफीम की फसल को सर्वाधिक नुकसान पहुंचा है।

यह उल्लेखनीय है कि अफीम की फसल पर नियंत्रण नारकोटिक्स विभाग का होता है तथा फसल के लिए लायसेंस प्राप्त करना होता है तथा निर्धारित मात्रा में अपनी उपज सरकार को देनी होती है अन्यथा उसका लायसेंस निरस्त हो जाता है। यह पूरी संभावना है कि वे निर्धारित मात्रा में अफीम का औसत नहीं दे सकेंगे और जहां उन्होंने काश्त पर लाखों रूपया खर्च किया है, वहीं लाखों रूपये की आमदनी से वंचित हो जायेंगे तथा वे लायसेंस के हकदार भी नहीं रहेंगे। अफीम एक ऐसा उत्पादन है जिससे सरकार को करोड़ों रूपये की विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।

अतः मेरा माननीय वित्त मंत्री महोदय से निवेदन है कि उपरोक्त विाम परिस्थिति को देखते हुए तथा प्राकृतिक आपदाजन्य कारणों को लेकर अफीम काश्तकारों के लिए निर्धारित औसत में कमी किए जाने के बारे में आवश्यक निर्देश पारित करें ताकि हजारों किसान दोहरी हानि से बच सकें।